* R E - 0 1 6 6 / 1 0 0 0 *

RE-0166

Second Year B. A. Examination

April / May – 2010

Hindi : Paper - II

Time : 3 Hours] [Total Marks :

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **S. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper - 2**

☛ Subject Code No. : **0 1 6 6** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं ।

१ नाटक के तत्त्वों के आधार पर लहरों के राजहंस नाटक को परखिए ।

अथवा

१ 'लहरों के राजहंस' नाटक के आधार पर सुन्दरी का चरित्रांकन कीजिए ।

२ 'फैसला' एकांकी एक मध्यवर्गीय युवती के मानसिक संघर्ष को भली भाँति व्यक्त करता है – इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

अथवा

२ एकांकी कला की दृष्टि से 'मालव–प्रेम' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए ।

३ 'लहरों के राजहंस' नाटक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

३ औरंगजेब की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

४ टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'लहरों के राजहंस' शीर्षक ।

अथवा

(क) 'लहरों के राजहंस' नाटक में कल्पना ।

(ख) 'रात के राही' एकांकी का उद्देश्य ।

अथवा

(ख) 'भोर का तारा' एकांकी का शेखर ।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) इसलिए कि बहुत दिन एकतार जीवन बिताकर लोग अपने से ऊब जाते हैं, तब जहाँ भी कुछ नवीनता दिखाई दे, उसी ओर वे उमड़ पडते हैं । यह उत्साह दूध–फेन का उबाल है, चार दिन रहेगा, फिर शान्त हो जाएगा ।

अथवा

(अ) प्रतीक्षा कर रही होती, तो अपने माथे का बिन्दु सूख जाने न देती । मुझे खेद है तो यही कि जितना समय इसे गीला रखना चाहिए था, उससे कहीं अधिक समय मैंने इसे गीला रखा ।

(आ) आप निरंकुश होते जा रहे हैं । आप अपने को केवल शासक मानने लगे हैं। आप भूल गये हैं कि जनता–राज में शासक कोई नहीं होता । सब सेवक होते हैं ।

अथवा

(आ) आपका रहन–सहन, तौर–तरीका और फिर फर्स्टक्लास में सफर करना तो जाहिर करता है कि आप खाते–पीते घर की लड़की है ।

(इ) तुम्हारे पास कक्ष और उद्यान सबकुछ है, घर नहीं हैं ——— घर जिसमें तुम्हारी आत्मा को विश्राम मिल सके ।

अथवा

(इ) जिस दिन मैं तुमसे दूर हो जाऊँगा, उस दिन मैं सौंदर्य से दूर हो जाऊँगा, अपनी कविता से दूर हो जाऊँगा ! मेरी कविता मर जायेगी ।